अररिया-बिहार। सांसद प्रदीप कुमार सिंह को राखी बांधते हुए ब्र.कु. उर्मिला बहन। साथ हैं ब्र.कु. नेहा बहन व ब्र.कु. दया बहन।

भूना-फतेहाबाद(हरियाणा)। 'सम्पूर्ण स्वास्थ्य मेला' में पहुंचने पर नव-निर्वाचित विधायक बलवान सिंह दोलतपुरिया का स्वागत करते हुए ब्र.कु. मोहिनी बहन। साथ हैं ब्र.कु. ज्योति बहन तथा अन्य।

दिल्ली-संत नगर। एसडीएम भूषण मल्होत्रा को राखी बांधते हुए ब्र.कु. लाज दीदी। साथ हैं ब्र.कु. सुधा दीदी।

दिल्ली-ओम विहार। नशा मुक्ति अभियान के तहत सरकारी सह-शिक्षा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. विमला बहन।

पटियाला-मॉडल टाउन(पंजाब)। परमेश्वर गुरुद्वारा में बाबा रणजीत सिंह ढडरियां वाले को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राखी। साथ हैं ब्र.कु. दिव्या, ब्र.कु. संजय व अन्य।

कथा सरिता

मेहनत और लगन से असम्भव भी सम्भव हो जाता

एक अत्यंत समृद्ध राज्य था। वहाँ के राजा युवाओं को कभी खाली बैठने ही नहीं देते थे। उनमें आलस्य भरने का कोई अवसर उन्हें देते ही नहीं थे। उस राज्य में सदैव या तो उत्सव की तैयारी हो रही होती थी या तो खेती-बाड़ी की या नहीं तो किसी न किसी प्रकार के मेले की। वहाँ के राजा युवाओं के स्वास्थ्य और अर्थ यानी धन-सम्पत्ति को लेकर सदैव सख्त रहते थे। उनका मानना था कि युवाओं को सदैव स्वस्थ रहना चाहिए। अपने शरीर की सुरक्षा करनी चाहिए। कोई भी ऐसी आदत या जीवनशैली नहीं अपनानी चाहिए। जिससे उनका स्वास्थ्य खराब हो अथवा धन हानि हो। एक बार की बात है खेती का समय समाप्त हो चुका था। राजा ने युवाओं को शारीरिक एवं आर्थिक रूप से सक्रिय रखने के लिए एक प्रतियोगिता रखी।

प्रतियोगिता को तीन वर्ग में बांटा गया। सबसे निचले वर्ग में एक छोटे बछड़े को उठा कर 50 कदम चलने का इनाम 50 स्वर्ण मुद्राएं थीं। वहीं मध्यम वर्ग में थोड़े बड़े बछड़े को उठा कर 50 कदम चलने का इनाम 100 स्वर्ण मुद्राएं। तो उच्च वर्ग में पूर्ण रूप से विकसित भैंस को उठा कर 50 कदम चलने का इनाम ढाई सौ स्वर्ण मुद्राएं थीं। उच्च वर्ग के लिए कोई उम्मीदवार बहुत देर तक आया ही नहीं। इस पर कुछ मंत्रियों ने राजा से कहा, "पूर्ण विकसित भैंस को उठाना अंसभव है"। यही विचार विमर्श चल रहा था। तभी एक स्वस्थ मजबूत नौजवान राजा के सामने प्रकट हुआ। उसने राजा से कहा, "हे अन्नदाता! यदि मुझे एक वर्ष का समय दिया जाए तो मैं पूर्ण विकसित भैंस को उठाकर 50कदम चलकर आपको दिखा सकता हूँ।"

राजा नौजवान की यह अंसभव बात सुनकर हँस पड़े और उन्होंने कहा, "मैंने दिया तुम्हें एक वर्ष का समय और साथ ही तुम्हारे जीवन यापन के लिए भी हर महीने तुम्हें धन दिया जाएगा। परंतु, यदि एक वर्ष के बाद भी तुम भैंस को उठाने में असक्षम रहे तब किस दंड के भागी बनोगे?" इस पर नौजवान ने कहा, "हे अन्नदाता! यदि मैं असफल हुआ तो मैं एक वर्ष तक आपका दास बनकर रहूँगा।" राजा ने नौजवान की बात मान ली।

एक वर्ष बाद फिर से यही समय आया। नौजवान राजा के सामने प्रकट हुआ। नौजवान को देखने के लिए राज्य में दूर-दूर से लोग आए थे। सब देखना चाहते थे कि नौजवान पूर्ण विकसित भैंस को उठाकर 50 कदम चलता है या राजा का दास बनता है। देखते ही देखते नौजवान ने पूर्ण विकसित भैंस को अपने कंधे पर उठा लिया और 50 कदम चलकर पुनः भैंस को जमीन पर रख दिया।

यह देखकर हर कोई अचंभित था। राजा ने खड़े होकर नौजवान को प्रोत्साहित किया। उसके लिए तालियां बजाई और इनाम स्वरूप उसे ढाई सौ स्वर्ण मुद्राएं भी दी। फिर राजा ने नौजवान से पूछा, "पुत्र! इस असीम शक्ति का स्रोत तो बताओ"। नौजवान ने कहा, "अन्नदाता! बिना रूके, पूरी लगन के साथ प्रतिदिन किया गया अभ्यास अंसभव को संभव बना देता है। यही इस असीम शक्ति का स्रोत है। मैंने छोटे बछड़े को उठाकर 50 कदम चलने से शुरूआत की थी। आज अभ्यास के कारण मैं पूर्ण विकसित भैंस को उठाकर 50 कदम चल पाया।" राजा ने मुस्कुराते हुए अपनी प्रजा से कहा, "अपने इस बंधु से सीखिए लगन और मेहनत से आगे बढ़ना"।

झज्जर-हरियाणा। जेल अधीक्षक सेवा सिंह को राखी बांधते हुए ब्र.कु. भावना बहन। साथ हैं ब्र.कु. पूनम बहन।

देवबंद-गुज्जरवाड़ा(उ.प्र.)। एसडीएम अंकुर वर्मा व उनकी धर्मपत्नी मोनिका वर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुधा दीदी।

हाजीपुर-बिहार। ज़ोनल ऑफिस हाजीपुर में अमरेश कुमार,महानिरीक्षक सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त,रेलवे सुरक्षा बल,पूर्व मध्य रेल,हाजीपुर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. रूबी बहन। साथ ही सभी आरपीएफ को भी रक्षासूत्र बांधा गया।

जयपुर-बनीपार्क(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में 'आध्यात्मिक उन्नति और विश्व शांति की स्थापना' के उद्देश्य से शास्त्री नगर के जनोपयोगी भवन में आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. कुनाल भाई व अन्य राजयोगी भाई-बहनों ने सामूहिक योगाभ्यास किया।